

2004926

2023

ENGLISH LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORT, PRÉCIS WRITING,
COMPOSITION AND TRANSLATION

Time Allowed — 3 Hours

PAPER-II

Full Marks — 200

If the questions attempted are in excess of the prescribed number, only the questions attempted first up to the prescribed number shall be valued and the remaining ones ignored.

1. (a) Write a letter to the Additional District Magistrate (ADM) of your district requesting him to issue an Economically Weaker Section (EWS) certificate in favour of you. You have furnished all the necessary documents those are to be needed to issue the same. (Word limit: 150 words) 40

Or,

- (b) You are an aspirant of civil service. Now, you would like to avail the coaching and the guidance provided at the Satyendranath Tagore Civil Services Study Centre (SNTCSSC), Saltlake, Kolkata.

Write a letter to the Chairman, SNTCSSC, expressing your wish to join the centre and to avail the library, hostel and other facilities provided there.

(The letter should be written within 150 words.) 40

2. Draft a report on 'Effect of Global Warming on Planate Earth', a Symposium organized by your college. (Within 200 words.) 40

3. Write a composition on any one of the following topics: 40

- (a) National Education Policy (NEP) 2020: Highlights and Implimentations
- (b) Kanyashree Project, a Govt. initiative: A model for woman empowerment and emancipation
- (c) Ageing
- (d) Literature and the representation of reality

4. Write a précis on the following and add a suitable title for it. 35+5

Shakespeare is the greatest manipulator of the English tongue in poetry and his popularity abroad would seem to contradict the generalization that is being made. It can, however, be truly said that Shakespeare, as all poets, loses much of his original force in translation, and the number of foreigners who have understood his language in all its innumerable associations is far less than those who have enjoyed the plays. He succeeds because, he is so good a dramatist that he remains alive even when the poetic element in his work has been distorted, or even destroyed. Further, his verse has often a meaning so well grounded in human experience that it retains interest even when translation has destroyed much of the original beauty of expression. Thus to quote a single example, Hamlet, at the end of the tragedy, says to Horatio, 'Absent thee from felicity awhile', a phrase which to English minds is of illimitable suggestion. Translate the construction and let Hamlet merely say, 'In memory of this tragedy refrain for a little while from pleasure and happiness', and he is still speaking good

Please Turn Over

sense though he has ceased to speak poetry. Or it may be that Hamlet in that final moment, his stress tragically resolved was referring to death itself as 'felicity'. Should this be the meaning the problem of translation still remains equally difficult.

5. Translate *any one* of the following passages into English:

40

(Who opted Bengali for Paper-I)

- (a) বনে-জঙ্গলে ছোটো বড়ো কত রকমের জানোয়ার, আর তাদের অস্ত্রই বা কত রকমের। শিং, নখ, দাঁত, ক্ষুর— এক-একজনের এক-একটা চলে। এক-একজনের আবার মুখ ও পা দুই-ই চলে। যেমন, বাঘের দাঁত ও নখ, মহিষের শিং ও ক্ষুর, শুয়োরের দাঁত ও ক্ষুর। বনে-জঙ্গলে কত রকমের জানোয়ারই দেখেছি। কিন্তু শুয়োরের মতো এমন অদ্ভুত মেজাজের জীব আর দেখলাম না। বাঘ বল, ভাল্লুক বল, হাতি, মহিষ, গন্ডার সকলেই চলে অতি সাবধানে, অতি সন্তর্পণে, পাছে কেউ জানতে না পারে। দশ-বিশ ফুট দূর দিয়ে বাঘ-ভাল্লুক নিঃশব্দে পাশ কাটিয়ে চলে যায়, কিছু জানবার, কিছু বোঝবার জো নেই। হাতিটা পর্যন্ত এক-একসময়ে প্রায় ঘাড়ের উপর এসে না পড়লে আর বুঝতে পারা যায় না যে হাতি আসছে।
- (b) যাইতে যাইতে তাহার মন পুলকে ভরিয়া উঠিতেছিল। সে কাহাকেও বুঝাইয়া বলিতে পারে না যে, সে কী ভালোবাসে এই মাটির তাজা রোদপোড়া গন্ধটা, এই ছায়াভরা দুর্বাঘাস, সূর্যের আলো মাখানো মাঠ, পথ, গাছপালা, পাখি, বনঝোপ, ওই দোলানো ফুলফলের থোলো, আলুকুশি, বনকলমি, নীল অপরাজিতা। ঘরে থাকিতে তাহার মোটেই ইচ্ছে হয় না, ভারি মজা হয় যদি বাবা তাহাকে বলে— খোকা, তুমি শুধু পথে পথে বেড়িয়ে বেড়াও, তাহা হইলে এইরকম বনফুল বুলানো ছায়াচ্ছন্ন ঝোপের তলা দিয়া ঘুঘু-ডাকা দূর বনের দিকে চোখ রাখিয়া এই রকম মাটির পথটি বাহিয়া শুধুই হাঁটে— শুধুই হাঁটে। মাঝে মাঝে হয়তো বাঁশবনের কঞ্চির ডালে শর্ শর্ শব্দ, বৈকালের রোদে সোনার সিঁদুর ছড়ানো আর নানা রঙ বেরঙ-এর পাখির গান।

Translate the Hindi passage into English (*any one*):

40

(Who opted Hindi in lieu of Bengali for Paper-I)

- (a) अनुशासन की आवश्यकता हर स्थान पर और हर क्षेत्र में है। व्यक्ति के निजी जीवन, सामाजिक जीवन और राष्ट्रीय जीवन सबमें इसका बड़ा महत्व है। जिस व्यक्ति के निजी जीवन में अनुशासन का अभाव होगा, उसे बार-बार विषम स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। ऐसा व्यक्ति प्रायः अपने लक्ष्यों को पूरा कर पाने में असमर्थ रहेगा। समाज में भी ऐसे व्यक्ति को प्रतिष्ठा नहीं मिल पाती। अनुशासनहीन व्यक्ति अपने समाज की उन्नति में कोई योगदान नहीं कर सकता। वह समाज की प्रगति में बाधा और समाज के लिए बोझ भी बन सकता है। राष्ट्रीय जीवन में तो अनुशासन का सर्वाधिक महत्व है। जिस राष्ट्र के नागरिकों में अनुशासन होता है, वे बड़े-से-बड़े संकट को भी स्वाभिमान के साथ झेल लेते हैं। अनुशासनहीन नागरिकों वाला राष्ट्र एक अनियन्त्रित भीड़ जैसा होता है, जो काब कैसा आचरण करेगा, कोई नहीं बता सकता। व्यक्ति ही समाज और राष्ट्र की इकाई है। अतः जैसे व्यक्ति होंगे, वैसा ही उनका समाज और राष्ट्र होगा। किसी राष्ट्र या समाज के चरित्र का अध्ययन उसके नागरिकों को देखकर किया जा सकता है।
- (b) राष्ट्रीय विकास परिषद् ने देश के किसानों और कारखानों में कार्य करने वाले मजदूरों से चतुर्थ पंचवर्षीय योजना को सफल बनाने में अधिक-से-अधिक सहयोग देने की अपील की है। देशवासियों के अनुशासित सहयोग और उनकी कर्तव्यपरायणता से योजना की विभिन्न मर्दों को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सकता है। समाज के सभी वर्गों को इसके लिए सहयोग देना चाहिए। समाज में जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी है, उन लोगों से परिषद की ओर से कहा गया है कि उन्हें अपने व्यय पर संयम रखना चाहिए और अपने धन की बर्बादी को रोकना चाहिए तथा अपने व्ययों को कम